यौमुल कुद्स

❁ क़िब्ल-ए-अव्वल बैतुल मुक़द्दस की बंदिश मुसलमानों के सामने कड़वी सच्चाईयों में से एक है।

❁ एक दीनी ज़िम्मेदारी के उनवान से फिलस्तीनी अवाम की हिमायत करना दुनिया के सभी मुसलमानों पर वाजिब है।

❁ फिलस्तीनी अवाम की अज़ीम इन्क़ेलाबी तहरीक जारी रहेगी।

❁ आज का फ़िलस्तीन एक ग़रीब और मज़लूम अवाम की बहादुरी का मैदान है।

❁ रोज़े कुद्स का एहतेराम करें और इसे साल का सबसे अहम दिन समझें।

❁ आलमी यौमे कुद्स के जुलूसों में मुसलमानों की ज़्यादा से ज़्यादा शिरकत फ़िलस्तीनी मुजाहिदों को ताक़त और हौसला देगी।

❁ इमाम ख़ुमैनी के चाहने वाले हमेशा फ़िलस्तीनियों की हिमायत करने वाले और उनके दुश्मनों के दुश्मन होते हैं।

❁ हमारी ईमान वाली और शहादत चाहने वाली क़ौम इस्राईल के ज़ुल्म और सितम को बर्दाश्त नहीं करेगी।

❁ यौमुल कुद्स फ़िलस्तीनी क़ौम के मुक़द्दस और इस्लामी मक़सदों और अरमानों का दिन है।

❁ अगर अमरीका इस्राईल की मदद करने वाला न होता तो इस्राईल लम्हों में बर्बाद हो जाता।

❁ दुनिया में इस्राईल से ज़्यादा नीच और उससे ज़्यादा ग़ैर इन्सानी निज़ाम कोई नहीं।

❁ फ़िलस्तीन का मसला किसी मज़लूम और अपने ही मुल्क में बेघर होने वाली क़ौम का मसला है।

❁ यौमे कुद्स को बैतुल मुक़द्दस की आज़ादी के लिए तैयार होने का दिन होना चाहिए।

❁ रोज़े कुद्स को सभी मुसलमान ग़नीमत समझें और फ़िलस्तीन के मसले को ज़िन्दा रखें।

❁ सहयूनियों और सहयूनी ताक़तों से जेहाद वाजिब है।

❁ आज फ़िलस्तीन की नई नस्ल इस्लाम-ईमान और ख़ुदा पर भरोसे के साथ लड़ रही है।

❁ फ़िलस्तीनी जवानों का डटे रहना बहुत सच्चाई और उम्मीद के साथ है।

❁ फ़िलस्तीन की आज़ादी के सिलसिले में फ़िलस्तीनियों की मदद करना हर मुसलमान पर फ़र्ज़ है।

❁ हर हुकूमत और हर क़ौम पर वाजिब है कि वह सच्चे दिल के साथ फ़िलस्तीन के मसले को अपने अहम और बुनियादी मसलों का हिस्सा समझे।

❁ मुसलमानों पर वाजिब है कि वह फ़िलस्तीन की मिल्लत के आज़ाद हो जाने तक एक लम्हे के लिए भी कोशिश और जिद्दोजहद से अलग न हटे।

❁ रोज़े कुद्स असल में हक़ और बातिल के अलग-अलग होने का दिन है।

❁ मैं उम्मत से यौमुल कुद्स को भरपूर तरीक़े से मनाने की अपील करता हूँ।

❁ यौमुल कुद्स इस्लामी दुनिया के लिए बहुत ही अहम और क़ीमती साबित होगा।

❁ मुसलमान मिल्लत यौमुल कुद्स की रैली में शिरकत करके उसको ज़िन्दा रखेगी।

❁ यौमुल कुद्स इस्लामी दुनिया का एक बहुत ही ख़ास दिन है।

❁ फ़िलस्तीन का मसला आलमे इस्लाम का सबसे अहम बैनुलअक़वामी मसला है।

❁ इस्राईल के नासूर फोड़े का इलाज सिर्फ़ यही मक़सद और जंग है। ❑❑❑

(उर्दू पत्रिका ''अल-कुद्स'' से)